

B.A. 1st Year Syllabus of Paper Practical 1st
(Minar - 2 Credit)

Part A Introduction			
Program: Certificate		Class`: B.A. 1st Year	Year: 2025
		Session: 2025-26	
Subject: Drawing and Painting			
1	Course Code		
2	Course Title		Paper Mache Art(paper2)
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)		
4	Pre-requisite (if any)		To study this course, a student must be 12 th pass, from any stream.
5	Course Learning outcomes (CLO)		<p>In the current era, the commercial arts are very popular and the study of paper science has not been duly studied in any other university. If you look at this art by going beyond various beliefs, then you will find that many small artists are living their lives with this knowledge. What is the impact of Indian arts academically in the world, the student will be able to take the exam in the form of a question paper. In this era of telecommunication, Indian art is occupying a different place in the world, Indian art and artists have increased importance in European countries, through this question paper, students will be able to understand the impact of Indian art in the world.</p>
6	Credit Value		Theory 02
7	Total Marks		Max. Marks: 30+70
		Min. Passing Marks:33	
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):			
L-T-P: Total No. of Lectures - 30 (per Class 01 hours)			

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Professionally self-employed with papermaking art.	6
II	To know the impact of Indian arts academically in the world.	6
III	Paper Mache Art	6
IV	Paper Mache art materials, method, various creative experiments	6
V	Major artists and professional uses related to paper Mache art	6

Keywords/Tags: Paper Mache art

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. In this era of global acceptance and telecommunications, almost all the arts are not different, yet there are some arts which have their own different effects, knowing that and being aware of them and bringing them into practice.
2. Indian arts have been considered in the world, in this era of global integration and telecommunications, knowing Indian arts, making a place in India and abroad.
3. Net (telecom)
4. To get information from various artists (associated with Paper Mache) and other sources.

Suggestive digital platforms web links

1. www.artcoursework.com
2. www.skillshare.com
3. www.artistsnetwork.com

**Suggested equivalent online courses: Coursera
Swayam**

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	10
Attendance	5	Practical Record File	10

Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)	15	Table work / Experiments Time 3:00 hours	50
TOTAL	30		70
Note: 10 objects of paper mache should be submitted accordingly to institute.			
Any remarks/ suggestions:			

बी. ए. प्रथम वर्ष प्रायोगिक 1 (Minor – 2 Credit)

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी. ए. प्रथम वर्ष	वर्ष:: 2025	सत्र: 2025-26
विषय : चित्रकला			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पेपर मशी कला (प्रश्न पत्र 1)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोरकोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कक्षा 12 ^{वीं} में किया हो। (सभी संकाय के छात्र एवम् छात्राएँ)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	वर्तमान युग में, व्यावसायिक कलाएँ बहुत लोकप्रिय हैं और कागज विज्ञान का अध्ययन किसी अन्य विश्वविद्यालय में विधिवत अध्ययन नहीं किया गया है। यदि आप इस कला को विभिन्न मान्यताओं से परे जाकर देखेंगे तो पाएंगे कि बहुत से छोटे-छोटे कलाकार इसी ज्ञान के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अकादमिक रूप से भारतीय कलाओं का विश्व में क्या प्रभाव है, छात्र प्रश्न पत्र के रूप में परीक्षा दे सकेंगे। दूरसंचार के इस युग में भारतीय कला का विश्व में एक अलग स्थान है, यूरोपीय देशों में भारतीय कला और कलाकारों का महत्व बड़ गया है, इस प्रश्न पत्र के माध्यम से छात्र विश्व में भारतीय कला के प्रभाव को समझ सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	प्रायोगिक – 02	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: कुल व्याख्यान – 30 (प्रति व्याख्यान 01 घंटा)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	पेपरमेकिंग कला के साथ व्यावसायिक रूप से स्वरोजगार विश्व में अकादमिक रूप से भारतीय कलाओं के प्रभाव को जानना। पेपरमेशी कला। पेपरमेशी कला सामग्री, विधि, विभिन्न रचनात्मक प्रयोग।	6
II		6
III		6
IV		6
V	पेपर मेशी कला से संबंधित प्रमुख कलाकार और व्यवसायिक उपयोग।	6
	सार बिंदु (की वर्ड टैग) : पेपर मेशी	
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
<p>अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>Suggested Readings:</p> <p>1-वैश्विक स्वीकार्यता और दूरसंचार के इस युग में लगभग सभी कलाएं अलग-अलग नहीं हैं, फिर भी कुछ कलाएं ऐसी हैं जिनका अपना अलग प्रभाव है, जिसे जानना और उसके प्रति जागरूक होना और उसे व्यवहार में लाना।</p> <p>2. भारतीय कलाओं को दुनिया में माना जाता रहा है, वैश्विक एकीकरण और दूरसंचार के इस युग में भारतीय कलाओं को जानना, भारत और विदेशों में जगह बनाना।</p> <p>3-नेट (दूरसंचार)</p> <p>4-विभिन्न कलाकारों (पेपर मेशी से जुड़े) और अन्य स्रोतों से जानकारी प्राप्त करना।</p> <p>Suggestive digital platforms web links</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. www.artcoursework.com 2. www.skillshare.com 3. www.artistsnetwork.com 		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: Coursera Swayam		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	10
कक्षा में भागीदारी	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)/viva etc	10
उपस्थिति		कुल अंक :20
असाइनमेंट		
समय- 03.00 घंटे	टेबल वर्क समय -3.00 घंटे	50
		कुल अंक 70
कोई टिप्पणी/सुझाव: नोट: प्रायोगिक परीक्षा के समय 10 कलाकार्य प्रस्तुत किया जाना है।		